2

4/3/2020 प्रार्थी श्री ओम प्रकाश द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि मुझ प्रार्थी एवं (वादी) व प्रतिवादीगण के मध्य राजीनामा हो जाने से प्रकरण को चलाना नहीं चाहता है। इस पर पत्रावली को रीडिंग से तलब की गई। वादी प्रार्थी को सुना गया तथा वाद प्रकरण के कार्यवाही चाहने से प्रकरण को विड्रो करने की अनुमति दी जाती है। पत्रावली में अब कोई कार्यवाही शेष नहीं रही है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

JW

[illegible] 4/3/20